गुरु आये रे बरसे फुहार गुरु आगमन चौमासा

गुरु आये रे बरसे फुहार,
अब गुरु आये रे।bd।

दिव्य दिव्य ध्वनि खिरे,
धर्म ज्ञान आये,
हाँ रे आगम बताये,
हाँ रे आगम बताये,
हर मन जिनवाणी,
गूंजे रे हो,
गुरु आए रे बरसे फुहार,
अब गुरु आये रे।bd।

चौमासा जहाँ करे,
मेला लग जाये,
मुनिवर के रूप में,
जिनवर घर आये,
चौका लगाके आओ,
आहार करवाये,
गुरुवर की भक्ति में,
आओ हम रम जाए,
नाचे ये धरती,
गगन गाये रे,
गुरु आए रे बरसे फुहार,
अब गुरु आये रे।bd।

श्रीफल चढ़ाके आओ,
उत्सव मनाये,
गुरुवर की भक्ति का,
पुण्य कमाये,
गुरु के चरण का आज,
गंधोधक लगाए,
करके पूजा भक्ति,
गुरु का ही गुण गाये,
नाचे ये धरती,
गगन गाये रे,
गुरु आए रे बरसे फुहार,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गुरु आये रे बरसे फुहार,
अब गुरु आये रे।bd।

– गायक व गीतकार –
दिनेश जैन एडवोकेट इंदौर।
Ph. 8370099099

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com